संस्कृत शिक्षक साजन कुमार
एस. बी.एस.एस. कॉलेज बेगूसराय

हिन्दी से संस्कृत अनुवाद

- 1. बालक विद्यालय जाता है।
  बालकः विद्यालयं गच्छति।
- 2. झरने से अमृत को मथता है।
  सागरं सुधां मथ्नाति।
- 3. राम के सौ रुपये चुराता है।
  रामं शतं मुष्णाति।
- 4. राजा से क्षमा माँगता है।
  नृपं क्षमां याचते।
- 5. सज्जन पाप से घृणा करता है।
  सज्जनः पापाद् जुगुप्सते।
- 6. विद्यालय में लड़के और लड़कियाँ है।
  विद्यालये बालकाः बालिकाश्च वर्तन्ते।
- 7. मैं कंघे से बाल सँवारता हूँ।
  अहं कंकतेन केशप्रसाधनं करोमि।
- 8. बालिका जा रही है।
  बालिका गच्छन्ती अस्ति।
- 9. यह रमेश की पुस्तक है।
  इदं रमेशस्य पुस्तकम् अस्ति।
- 10. बालक को लड्डू अच्छा लगता है।
  बालकाय मोदकं रोचते।
- 11. माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करना उचित है।
  पितरौ गुरुजनाश्च सम्माननीयाः।
- 12. जो होना है सो हो, मैं उसके सामने नहीं झुकूँगा।
  यद्भावी तद् भवतु, नाहं तस्य पुरः शिरोऽवनमयिष्यामि।

Scanned with CamScanner

- 13. वह वानर वृक्ष से उतरकर नीचे बैठा है।

  वानरः वृक्षात् अवतीर्य्य नीचैः उपविष्टोऽस्ति।
- 14. मेरी सब आशाओं पर पानी फिर गया।

  सर्वा ममाशा मोघाः सञ्जाताः।
- 15. मैने सारी रात आँखों में काटी।

  पर्यङ्के निषण्णस्य ममाक्ष्णोः प्रभातमासीत्।
- 16. गुरु से धर्म पूछता है।

  उपाध्यायं/गुरुं धर्मं पृच्छति।
- 17. बकरी का दूध दुहता है।

  अजां दुग्धं दोग्धि।
- 18. मन्दिर के चारों ओर भक्त है।

  मन्दिरं परितः भक्ताः सन्ति।
- 19. इस आश्रम में ब्रह्मचारी, वानप्रस्थी और संन्यासी हैं।

  ब्रह्मचारिणः वानप्रस्थाः संन्यासिनश्च अस्मिन् आश्रमे सन्ति।
- 20. नाई उस्तरे से बाल काटता है।

  नापितः क्षुरेण केशान् वपति।
- 21. रंगरेज वस्त्रों को रंगता है।

  रज्जकः वस्त्राणि रञ्जयति।
- 22. मन सत्य से शुद्ध होता है।

  मनः सत्येन शुध्यति।
- 23. आकाश में पक्षी उड़ते हैं।

  वियति (आकाशे) पक्षिणः उड्डीयन्ते।
- 24. उसकी मूट्ठी गर्म करो, फिर तुम्हारा काम हो जाएगा।

  उत्कोचं तस्मै देहि तेन तव कार्यं सेत्स्यति।
- 25. कुम्भ पर्व में भारी जन सैलाब देखने योग्य है।

  कुम्भपर्वणि प्रचुरो जनसञ्चारः दर्शनीयः।

Scanned with CamScanner

- 26. विद्याविहीन मनुष्य और पशुओं में कोई भेद नहीं है।

  विद्याविहीनानां नराणां पशूनाञ्च कोऽपि भेदो नास्ति।
- 27. उसकी ऐसी दशा देखकर मेरा जी भर आया।

  तस्य तथावस्थामवलोक्य करुणार्द्रचेता अभवम्।
- 28. प्रभाकर आज मेरे घर आएगा।

  प्रभाकरः अद्य मम गृहमागमिष्यति।
- 29. एक स्त्री जल के घड़े को लेकर पानी लेने जाती है।

  एका स्त्री जलकुम्भमादाय जलमानेतुं गच्छति।
- 30. मैं आज नहीं पढ़ा, इसलिये मेरे पिता मुझ पर नाराज थे।

  अहमद्य नापठम्, अतः मम पिता मयि अप्रसन्नः आसीत्।
- 31. मे घर जाकर पिता से पूछ कर आऊँगा।

  अहं गृहं गत्वा पितरं पृष्ट्वा आगमिष्यामि।
- 32. व्यायाम से शरीर बलवान् हो जाता है।

  व्यायामेन शरीरं बलवद् भवति।
- 33. उसके मूँह न लगना, वह बहुत चलता पुरजा है।

  तेन साकं नातिपरिचयः कार्यः कितवोऽसौ।
- 34. मेरे पाँव में काँटा चुभ गया है, उसे सुई से निकाल दो।

  मम पादे कण्टको लग्नः, तं सूच्या समुद्धर।
- 35. एक बार धर्म और सत्य में विवाद हुआ।

  एकदा धर्म्मसत्ययोः परस्परं विवादोऽभवत्।
- 36. सूर्य की प्रखर किरणों से वृक्ष, लता सब सूख जाते हैं।

  सूर्यस्य तीक्ष्णकिरणैः वृक्षलताः शुष्काः भवन्ति।
- 37. ईश्वर की कृपा से उसका शरीर नीरोग हो गया।

  ईश्वरस्य कृपया तस्य शरीरं नीरोगम् अभवत्।
- 38. राम के साथ सीता वन जाती है।

  रामेण सह सीता वनं गच्छति।

Scanned with CamScanner

- 39. मुझे इस बात के सिर पैर का पता नहीं लगता।

  अस्याः वार्तायाः अन्तादी नावगच्छामि।
- 40. सुबह उठकर पढ़ने बैठ जाओ।

  प्रातः उत्थाय अध्येतुम् उपविशः।
- 41. पति के वियोग से वह सुखकर काँटा हो गयी है।

  पतिविप्रयोगेण सा तनुतां गता।
- 42. चपलता न करो इससे तुम्हारा स्वभाव विगड़ जायेगा।

  मा चपलाय, विकरिष्यते ते शीलम्।
- 43. घर के बाहर वृक्षः है।

  गृहात् बहिः वृक्षः अस्ति।
- 44. शकुन्तला का पति दुष्यन्त था।

  शकुन्तलायाः पतिः दुष्यन्तः आसीत्।
- 45. विष वृक्ष को भी पाल करके स्वयं काटना ठीक नहीं है।

  विषवृक्षोऽपि संवर्ध्य स्वयं छेत्तुमसाम्प्रतम्।
- 46. अध्यापक की डाँट सुनकर वह लज्जा से सिर झुकाकर खड़ी हो गयी।

  अध्यापकस्य तर्जनं श्रुत्वा सा लज्जया शिरः अवनमय्य स्थितवती।
- 47. अरे रक्षकों! आप जागरुकता से उद्यान की रक्षा करो।

  भोः रक्षकाः! भवन्तः जागरुकतया उद्यानं रक्षन्तु।
- 48. इन दिनों वस्तुओं का मूल्य अधिक है।

  एषु दिनेषु वस्तूनां मूल्यम् अधिकम् अस्ति।
- 49. आज सुबह कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।

  अद्य प्रातःकाले कार्यक्रमस्य उद्घाटनं जातम्।
- 50. पुस्तक पढ़ने के लिए वह पुस्तकालय जाता है।

  पुस्तकं पठितुं सः पुस्तकालयं गच्छति।

Scanned with CamScanner

- 51. हस्तलिपि को साफ एवं शुद्ध बनाओ।

  हस्तलिपिं स्पष्टां शुद्धां च कुरु।

- 52. पढ़ने के समय दूसरी ओर ध्यान मत दो।

  अध्ययनसमये अन्यत्र ध्यानं मा देहि।

- 53. विद्यालय के सामने सुन्दर उद्यान है।

  विद्यालयस्य पुरतः सुन्दरम् उद्यानं वर्तते।

- 54. सुनार सोने से आभूषण बनाता है।

  स्वर्णकारः स्वर्णेन आभूषणानि रचयति।

- 55. लुहार लोहे से बर्तन बनाता है।

  लौहकारः लौहेन पात्राणि रचयति।

- 56. ईश्वर तीनों लोकों में व्याप्त है।

  ईश्वरः त्रिलोकं व्याप्नोति।

- 57. देश की उन्नति के लिए आयात और निर्यात आवश्यक है।

  देशस्योन्नत्यै आयातो निर्यातश्च आवश्यकौ स्तः।

- 58. रिश्वत लेना और देना दोनों ही पाप है।

  उत्कोचस्य आदानं प्रदानं च द्वयमपि पापम् अस्ति।

- 59. बुद्धि ही बल से श्रेष्ठ है।

  मतिरेव बलाद् गरीयसी।

- 60. बुरों का साथ छोड़ और भलों की सङ्गति कर।

  त्यज दुर्जनसंसर्गं भज साधुसमागमम्।

- 61. एक दिन महर्षि ने ध्यान के समय दूर जङ्गल में धधकती हुई आग को देखा।

  एकदा ध्यानमग्नोऽसौ ऋषिः दूरवर्तिनि वनप्रदेशे जाज्वल्यमानं दावानलं ददर्श।

Scanned with CamScanner

- 62. एक समय राजा दिलीप ने अश्वमेध यज्ञ करने के लिए एक घोड़ा छोड़ा।

  एकदा राजा दिलीपोऽश्वमेधयज्ञं कर्तुमश्वमेकं मुमोच।

- 63. आप सभी हमारे साथ संस्कृत पढें।

  भवन्तः अपि अस्माभिः सह संस्कृतं पठन्तु।

- 64. बालकों को मिठाई पसंद है।

  बालकेभ्यः मधुरं रोचते।

- 65. बहन! आज आने में देर क्यों?

  भगिनि! अद्य आगमने किमर्थं विलम्बः।

- 66. मित्र! कल मेरे घर आना।

  मित्र! श्वः मम गृहम् आगच्छतु।

- 67. घर के दानों ओर वृक्ष है।

  गृहम् उभयतः वृक्षाः सन्ति।

- 68. मैं साइकिल से पढ़ने के लिए पुस्तकालय जाता हूँ।

  अहं द्विचक्रिकया पठितुं पुस्तकालयं गच्छामि।

- 69. विद्यालय जाने का यही समय है।

  विद्यालयं गन्तुम् अयमेव समयः।

- 70. सूर्य निकल रहा है और अंधेरा दूर हो रहा है।

  भानुरुद्गच्छति तिमिरश्चापगच्छति।

Scanned with CamScanner